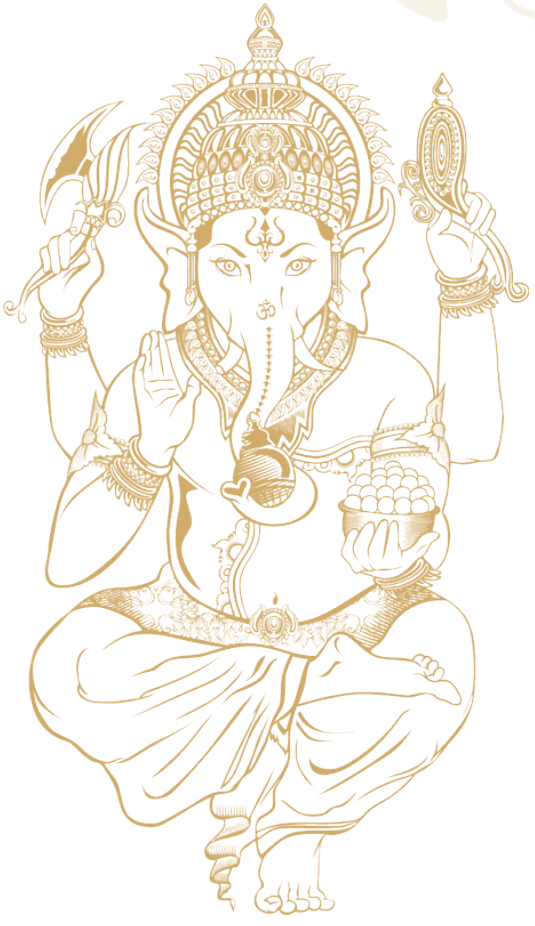

Mrs.Anika kumari

03 Feb 2025

07:30 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121111206

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/02/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:30:00 घंटे**
इष्ट	32:49:00 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:50:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:49 घंटे
साम्पातिक काल	04:46:16 घंटे
सूर्योदय	06:22:24 घंटे
सूर्यास्त	17:25:02 घंटे
दिनमान	11:02:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:47:05 मकर
लग्न के अंश	19:11:29 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:11:29	323:37:40	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मक	20:47:05	01:00:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	27:45:28	14:15:22	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल	व		मिथु	25:31:46	00:15:56	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	16:30:53	01:41:50	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	17:04:18	00:00:10	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	05:14:03	00:45:09	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			कुंभ	23:29:54	00:06:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु			मीन	03:58:23	00:01:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	03:58:23	00:01:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	29:03:37	00:00:12	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	---
नेप			मीन	03:50:06	00:01:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:55:38	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	18:47:22	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:29

लग्न-चलित

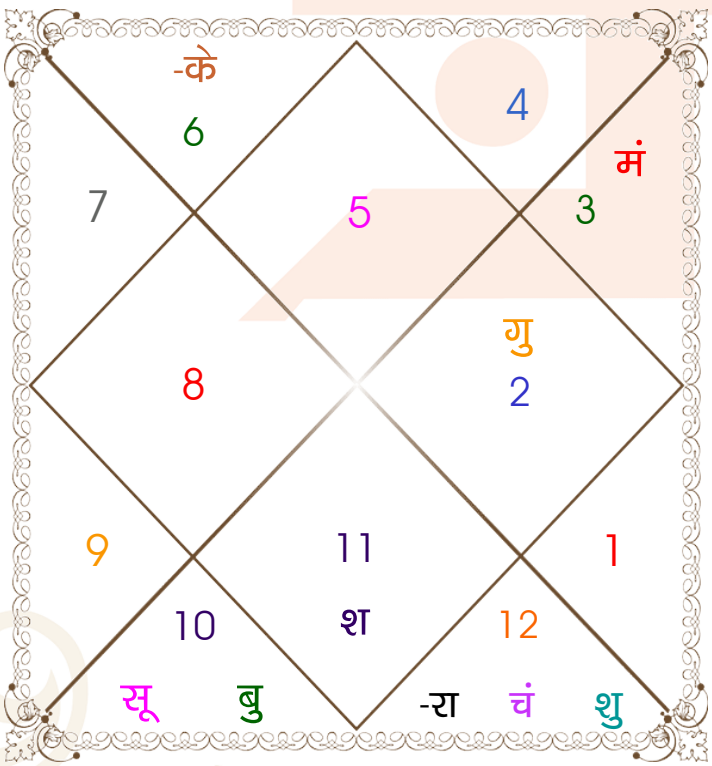

चन्द्र कुंडली

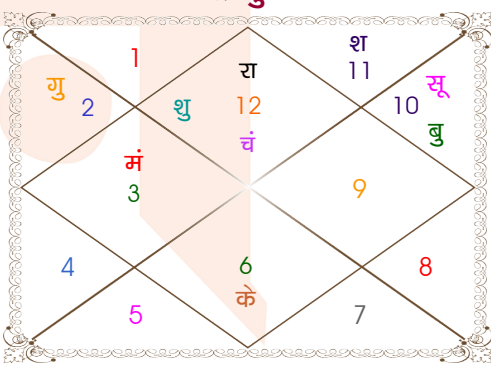

नवमांश कुंडली

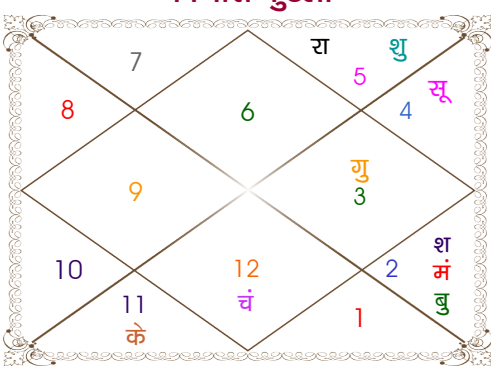

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 10 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/02/2025		14/12/2027		14/12/2034		14/12/2054		14/12/2060	
14/12/2027		14/12/2034		14/12/2054		14/12/2060		14/12/2070	
	00/00/0000	केतु	12/05/2028	शुक्र	15/04/2038	सूर्य	03/04/2055	चंद्र	14/10/2061
	00/00/0000	शुक्र	12/07/2029	सूर्य	15/04/2039	चंद्र	02/10/2055	मंगल	15/05/2062
	00/00/0000	सूर्य	17/11/2029	चंद्र	14/12/2040	मंगल	07/02/2056	राहु	14/11/2063
	00/00/0000	चंद्र	18/06/2030	मंगल	13/02/2042	राहु	01/01/2057	गुरु	15/03/2065
	00/00/0000	मंगल	14/11/2030	राहु	13/02/2045	गुरु	20/10/2057	शनि	14/10/2066
	00/00/0000	राहु	02/12/2031	गुरु	15/10/2047	शनि	02/10/2058	बुध	15/03/2068
	03/02/2025	गुरु	07/11/2032	शनि	14/12/2050	बुध	09/08/2059	केतु	14/10/2068
गुरु	05/04/2025	शनि	17/12/2033	बुध	14/10/2053	केतु	14/12/2059	शुक्र	15/06/2070
शनि	14/12/2027	बुध	14/12/2034	केतु	14/12/2054	शुक्र	14/12/2060	सूर्य	14/12/2070

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/12/2070		14/12/2077		14/12/2095		15/12/2111		15/12/2130	
14/12/2077		14/12/2095		15/12/2111		15/12/2130		00/00/0000	
मंगल	12/05/2071	राहु	26/08/2080	गुरु	01/02/2098	शनि	18/12/2114	बुध	13/05/2133
राहु	30/05/2072	गुरु	20/01/2083	शनि	15/08/2100	बुध	27/08/2117	केतु	10/05/2134
गुरु	06/05/2073	शनि	26/11/2085	बुध	21/11/2102	केतु	06/10/2118	शुक्र	10/03/2137
शनि	15/06/2074	बुध	14/06/2088	केतु	28/10/2103	शुक्र	06/12/2121	सूर्य	14/01/2138
बुध	12/06/2075	केतु	03/07/2089	शुक्र	28/06/2106	सूर्य	18/11/2122	चंद्र	16/06/2139
केतु	08/11/2075	शुक्र	02/07/2092	सूर्य	16/04/2107	चंद्र	18/06/2124	मंगल	12/06/2140
शुक्र	07/01/2077	सूर्य	27/05/2093	चंद्र	15/08/2108	मंगल	28/07/2125	राहु	30/12/2142
सूर्य	15/05/2077	चंद्र	26/11/2094	मंगल	22/07/2109	राहु	03/06/2128	गुरु	04/02/2145
चंद्र	14/12/2077	मंगल	14/12/2095	राहु	15/12/2111	गुरु	15/12/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।